नदी से नदी जोड़ने का अनूठा प्रयास

धार जिले के विकासखण्ड तिरला के ग्राम खरसोड़ा में 39 किलोमीटर लम्बी सुखी खाल नदी का चयन किया गया था। जिसका उद्गम स्थल ग्राम पंचायत सगवाल विकासखण्ड सरदापुर से हुआ है। जिसका संगम स्थल बेगन्दा विकासखण्ड बदनावर है। यह नदी सगवाल से होते हुई तिरला विकासखण्ड के ग्रम उटावदा, सरसौडा, बलोदा, अकोदा, धामन्दा होते हुई बेगन्दा में मिल जाती है। नदी कल–कल करके बहे, ग्राम में पानी की कमी न हो एवं नदी अपने मूल स्वरूप में रहे के लिये प्रयास किये गये। नदी को फिर से प्रवाहमान बनाना लक्ष्य था। इसके लिये बैठकें आयोजित की, पैदल भ्रमण किया, चौपाल लगाईं, कार्ययोजना बनाई, उदगम एवं संगम स्थल का निरीक्षण किया। इसके उपरांत जनसहभागिता से 05 लाख रुपये एकत्रित किये। जिसमें 4 दिन और 3 रात्रि को पोकलेन मशीन द्वारा गहरीकरण किया गया, जिसकी लम्बाई 300 मीटर व चौड़ाई 25 फीट और 12 फीट गहरी खुदाई की गई। जिसमें खुदाई के दौरान पानी निकल आया। वर्तमान मे नदी के स्वरुप में दिखाई दे रही है। खुदाई के पहले जलस्तर 50 से 55 मीटर था लेकिन खुदाई के बाद जलस्तर 65 से 70 मीटर पर आ गया है। इस कार्य को करने में 03 माह का समय लगा। खरसौड़ा ग्राम प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष ने कहा कि ग्रम माफीपुरा में जोगड़ी नदी से प्रेरणा लेकर हम भी अपने ग्रामों की नदी को प्रवाह करेंगे, जिससे नदी से नदी जोड़ी जाएगी और जल की समस्या का समाधान किया जायेगा। मुख्यमंत्री सामूदायिक नेत्तृव क्षमता विकास कार्यक्रम के सभी विद्यार्थी, समिति के लोग और ग्रामीणों की सहभागिता से यह कार्य सम्पन्न हुआ है। इसके लिये समिति सदस्यों व विद्यार्थियों को श्रमदान के दिन नियुक्त किये गये थे। विद्यार्थियों ने बैठकें, चौपालें और लोगों को प्रेरित करने की जिम्मेदारी दी गई। समिति ने जन भागीदारी से राशि और संसाधन उपलब्ध कराये। किसानों ने भी पास में छोटी–छोटी तलाईयों को खोदा। इस कार्य को आगे बढ़ाने हेतु पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा को दिखाया। उन्होंने भी इस कार्य की सराहना की और स्टॉप डेम बनाने व आगे खुदाई हेतु कार्य कराने का भरोसा दिलाया। हालांकि इस कार्य के लिये तमाम चुनौतियां भी थी। जैसे– संसाधनों का अभाव था।